

जियो का महा-IP0 डिजिटल क्रांति से 30,188 करोड़ की ऐतिहासिक छलांग

नई दिल्ली। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय जोड़ने की तैयारी के बीच जियो प्लेटफॉर्मस का प्रस्तावित आईपीओ कारोबार, तकनीक और निवेश की दुनिया में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

15 अक्टूबर 2026 को आयोजित मीडिया कार्यक्रम में रिलायंस समूह की अगली पीढ़ी के नेतृत्व ईशा अंबानी और आकाश अंबानी के साथ दिग्गज वित्तीय विशेषज्ञ उदय कोटक ने जियो की यात्रा, उसकी व्यावसायिक रणनीति, वित्तीय प्रदर्शन और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से बात की। कंपनी का लक्ष्य केवल मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि भारत को एक ऐसे डिजिटल समाज में बदलने में भागीदार बनना है, जहां इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, घरेलू ब्रॉडबैंड और डिजिटल सेवाएं आम लोगों तथा कारोबारियों के लिए अधिक सुलभ हों। कार्यक्रम में प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक, जियो ने पिछले एक दशक में बड़े ग्राहक आधार, अपने तकनीकी ढांचे और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के जरिए भारतीय दूरसंचार उद्योग की प्रतिस्पर्धा को नई दिशा दी है। अब कंपनी की निगाहें मोबाइल सेवाओं से आगे बढ़कर घरों, उद्योगों, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार बाजारों, अगली पीढ़ी की तकनीक पर हैं।

जियो IPO: करीब दो दशक बाद रिलायंस समूह का बड़ा सार्वजनिक निर्गम

कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के चेयरमैन उदय कोटक ने जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ को भारतीय कॉरपोरेट इतिहास का महत्वपूर्ण अवसर बताया। उनके अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ का आकार ऊपरी मूल्य स्तर पर 30,188 करोड़ है। यह रिलायंस समूह की ओर से लगभग दो दशक बाद आने वाला एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक निर्गम है। कोटक ने कहा कि जियो की लिस्टिंग के बाद रिलायंस समूह का बाजार पूंजीकरण के आधार पर देश के सबसे बड़े सूचीबद्ध कारोबारी समूहों में स्थान और मजबूत होने की संभावना है। उन्होंने इस अवसर को केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के अगले चरण में निवेशकों की भागीदारी का माध्यम बताया। हालांकि, आईपीओ के अंतिम आकार, मूल्य निर्धारण और निवेश संबंधी निर्णयों के लिए आधिकारिक निर्गम दस्तावेजों की शर्तें महत्वपूर्ण रहेंगी।

उद्यमों को सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देकर तकनीकी समाधान निर्यात करने की तैयारी

जियो की रणनीति का एक अन्य प्रमुख हिस्सा उद्यमों और संस्थानों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है। आकाश अंबानी के अनुसार, भारत में कंपनियों, बैंकों और अन्य संस्थानों के लिए सुरक्षित कनेक्टिविटी, निगरानी व्यवस्था तथा डिजिटल सेवाओं की मांग बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि देश की लगभग 65 प्रतिशत बैंक शाखाएं जियो से जुड़ी हैं। कंपनी इन सेवाओं के माध्यम से केवल इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध कराने के बजाय सुरक्षा, वीडियो निगरानी और अन्य तकनीकी सुविधाएं भी देना चाहती है। आकाश ने उद्यम डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में लगभग 56 अरब डॉलर के बाजार अवसर का उल्लेख किया। इसके साथ ही कंपनी अपनी तकनीक को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ले जाने की योजना भी बना रही है। जियो का विचार है कि वह विदेशी दूरसंचार कंपनियों को केवल सॉफ्टवेयर या उपकरण बेचने के बजाय संपूर्ण तकनीकी ढांचे का संचालन करने वाली प्रबंधित सेवा उपलब्ध करा सकता है। कंपनी के मुताबिक, भारतीय बाजार में बड़े स्तर पर नेटवर्क चलाने का अनुभव उसे विकसित और विकासशील दोनों प्रकार के देशों में साझेदारी के अवसर तलाशने में मदद कर सकता है।

घरेलू ब्रॉडबैंड: 10 करोड़ घरों तक पहुंचने का लक्ष्य

आकाश अंबानी ने घरेलू ब्रॉडबैंड को जियो के भविष्य के सबसे बड़े विकास क्षेत्रों में से एक बताया। उनके अनुसार, कंपनी का फाइबर नेटवर्क करीब चार करोड़ घरों तक पहुंचने की क्षमता रखता है, जबकि भारत में कुल घरों की संख्या लगभग 30 करोड़ बताई गई है। कंपनी का लक्ष्य अपने घरेलू कनेक्शन आधार को लगभग तीन करोड़ से बढ़ाकर दस करोड़ तक ले जाना है। इसके लिए जियो फाइबर के साथ वायरलेस तकनीक का उपयोग कर रहा है, ताकि उन क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुंचाया जा सके जहां केबल बिछाने, भवनों की अनुमति लेने या अंतिम उपभोक्ता तक कनेक्शन पहुंचाने में कठिनाई आती है। आकाश ने बताया कि कंपनी की एक तकनीक अनलाइसेंसड 5G और वाई-फाई बैंड पर काम करती है। उनके मुताबिक, इस तकनीक का इस्तेमाल करके नए ग्राहकों को जोड़ने में उल्लेखनीय योगदान मिल रहा है और नए कनेक्शनों का बड़ा हिस्सा टियर-1 तथा टियर-2 शहरों से बाहर के क्षेत्रों से आ रहा है। जियो घरेलू इंटरनेट को केवल ब्रॉडबैंड तक सीमित न रखकर टीवी और डिजिटल एप्लिकेशन के साथ एकीकृत सेवा के रूप में विकसित करना चाहता है।

53 करोड़ ग्राहकों, 5G नेटवर्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के दम पर जियो प्लेटफॉर्मस ने रखा भविष्य का रोडमैप;



53 करोड़ ग्राहकों का आधार और 5G में बड़े विस्तार का दावा



जियो प्लेटफॉर्मस के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने कहा कि कंपनी का मूल उद्देश्य हर भारतीय घर, नागरिक और उद्यम को उच्च गुणवत्ता वाली तथा किफायती डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जियो के नेटवर्क से लगभग 53 करोड़ भारतीय जुड़े हुए हैं। कंपनी ने सितंबर 2026 में अपनी स्थापना के दस वर्ष पूरे किए। आकाश के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कंपनी का EBITDA लगभग 17.8 प्रतिशत बढ़ा है और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में EBITDA मार्जिन 53.3 प्रतिशत रहा। उन्होंने यह भी कहा कि जियो भारत के कुल डिजिटल डेटा ट्रैफिक का 60 प्रतिशत से अधिक वहन करता है। कंपनी के मुताबिक, उसके नेटवर्क पर प्रति ग्राहक औसत मासिक डेटा खपत 43.7 GB तक पहुंच गई है। आकाश ने जियो के 5G विस्तार को भी बड़ी उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, कंपनी ने केवल 19 महीनों में देश की लगभग 99 प्रतिशत आबादी तक 5G कवरेज पहुंचाने का काम किया। यह विस्तार मोबाइल नेटवर्क के साथ भविष्य में डिजिटल सेवाओं को बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराने की आधारशिला माना जा रहा है।

मोबाइल सेवाओं से आगे बढ़कर तकनीक आधारित दीर्घकालिक विकास पर नजर

लोकप्रियता या विकास संबंधी दावों के आधार पर नहीं लेना चाहिए। निवेशकों को कंपनी की आय, मुनाफे, कर्ज, नकदी प्रवाह, प्रतिस्पर्धा, नियामकीय परिस्थितियों और आईपीओ के मूल्यांकन का अध्ययन करना चाहिए। आधिकारिक दस्तावेजों में उपलब्ध जोखिम कारकों और वित्तीय विवरणों को समझना भी महत्वपूर्ण है। उदय कोटक ने जियो के

आकाश अंबानी ने जियो के वित्तीय प्रदर्शन का विवरण देते हुए बताया कि पिछले तीन वर्षों में कंपनी का राजस्व लगभग 1.09 लाख करोड़ से बढ़कर 1.46 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। उन्होंने इस अवधि में राजस्व की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर लगभग 15.8 प्रतिशत बताई। कंपनी का EBITDA भी लगभग 54 हजार करोड़ से बढ़कर 76

आईपीओ को भारत की डिजिटल वृद्धि में भागीदारी का अवसर बताया, जबकि ईशा और आकाश अंबानी ने दीर्घकालिक निवेश, तकनीकी नवाचार और ग्राहक केंद्रित विकास पर जोर दिया। इन तीनों के संबंधनों से स्पष्ट होता है कि कंपनी अपने अगले चरण में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और वित्तीय मजबूती को साथ लेकर चलना चाहती है।

ईशा अंबानी, आकाश अंबानी, उदय कोटक ने बताया कारोबार का विजन, निवेश की रणनीति, भारत को डिजिटल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य

ईशा अंबानी ने बताया जियो की शुरुआत का विचार कैसे आया



जियो प्लेटफॉर्मस की निदेशक ईशा अंबानी ने कंपनी की शुरुआत के पीछे की सोच साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2009-10 के आसपास अमेरिका में कॉलेज की पढ़ाई के दौरान एक व्यक्तिगत अनुभव ने उन्हें और उनके भाई आकाश अंबानी को भारत में इंटरनेट की उपलब्धता पर सोचने के लिए प्रेरित किया। छुट्टियों में मुंबई लौटने के दौरान ईशा को ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने में परेशानी हुई, क्योंकि इंटरनेट ठीक से काम नहीं कर रहा था। इस अनुभव के बाद यह सवाल उठा कि भारत में भी वैसी ही कनेक्टिविटी क्यों नहीं हो सकती, जैसी विकसित बाजारों में उपलब्ध थी। ईशा के अनुसार, आकाश का मानना था कि इसका समाधान एक ऐसी डिजिटल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म कंपनी बनाने में है, जो बड़े पैमाने पर लोगों को जोड़ सके। वर्ष 2016 में जियो की शुरुआत इसी व्यापक विचार को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बनी। दस वर्षों में कंपनी ने मोबाइल कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर डिजिटल सेवाओं, घरेलू इंटरनेट और तकनीकी प्लेटफॉर्म का विस्तार किया।

उदय कोटक की नजर में जियो की महायात्रा



कनेक्टिविटी से बदली बाजार की तस्वीर उदय कोटक ने अपने संबोधन में रिलायंस की कारोबारी यात्रा को याद करते हुए वर्ष 1977 का उल्लेख किया, जब धीरूभाई अंबानी ने रिलायंस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज को सार्वजनिक बाजार में उतारा था। कोटक के अनुसार, उस दौर की घटना ने निवेश, वित्तीय सेवाओं और कंपनियों के विकास को लेकर उनकी सोच को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा कि रिलायंस की परंपरा में बड़े स्तर पर कारोबार खड़ा करने, निवेशकों के लिए मूल्य सृजित करने और लंबे समय तक विकास की संभावनाओं पर काम करने का महत्व रहा है। जियो ने वर्ष 2016 में दूरसंचार बाजार में प्रवेश किया और कम कीमत पर डेटा तथा कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की रणनीति के जरिए उद्योग की प्रतिस्पर्धा को बदल दिया। कोटक ने जियो के करीब 53 करोड़ ग्राहकों, उसके तकनीकी क्रियान्वयन और लगातार बढ़ते कारोबार को कंपनी की प्रमुख ताकत बताया। उनके मुताबिक, जियो की यात्रा भारत में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ने और आम उपभोक्ता के लिए कनेक्टिविटी अधिक सुलभ होने की कहानी भी है।

हजार करोड़ से अधिक हो गया है। आकाश के अनुसार, मोबाइल सेवाओं, घरेलू ब्रॉडबैंड, उद्यम कारोबार और तकनीकी प्लेटफॉर्म के व्यावसायिक उपयोग से आने वाले वर्षों में विकास के नए अवसर मिल सकते हैं। उन्होंने देशभर में 3.60 लाख से अधिक टावर और दस लाख किलोमीटर से ज्यादा फाइबर नेटवर्क का उल्लेख किया। कंपनी ने 6G तकनीक को

आज की जरूरतों के साथ आने वाले दशकों की संभावनाओं पर भी ध्यान

रिलायंस में कारोबार विकसित करने के तीन प्रमुख आधार हैं—दीर्घकालिक सोच, बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता और प्रभावी क्रियान्वयन। उनके अनुसार, कंपनी केवल वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए निवेश नहीं करती, बल्कि आने वाले दशकों में उद्योगों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखती है। बड़े पैमाने पर कारोबार खड़ा करने का उद्देश्य केवल ग्राहक संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि संबंधित उद्योग की लागत, उपलब्धता और काम करने के तरीके में बदलाव लाना भी है। उन्होंने यह भी कहा कि रिलायंस की कारोबारी संस्कृति में तकनीकी दक्षता और योजनाओं को जमीन पर उतारने की क्षमता को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। वित्तीय अनुशासन इस रणनीति का एक और प्रमुख हिस्सा है। ईशा ने वर्ष 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्ज-मुक्त होने को लेकर की गई प्रतिबद्धता का उल्लेख किया और बताया कि कोविड महामारी तथा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद कंपनी ने निर्धारित समय से नौ महीने पहले यह लक्ष्य पूरा किया था। उनके मुताबिक, निवेशकों से किए गए वादों को निभाना कंपनी की वित्तीय सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

AI और डिजिटल सेवाओं का नया बाजार

जियो की भविष्य की रणनीति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। आकाश अंबानी ने बताया कि कंपनी अपने नेटवर्क और तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करके ऐसे डिजिटल उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है, जिनसे आम लोगों को भी उन्नत तकनीक का लाभ मिल सके। उन्होंने वॉयस आधारित एआई सेवाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि फोन पर हुई बातचीत का सार तैयार करना, द्वांसक्रिप्शन करना और जरूरी कार्यों की सूची बनाना जैसे उपयोग संभव हो सकते हैं। कंपनी ने इन सुविधाओं को 12 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की क्षमता का उल्लेख किया। आकाश के मुताबिक, जियो अपने बड़े ग्राहक आधार के कारण ऐसी सेवाओं को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की स्थिति में है। उन्होंने गूगल के जेमिनी के साथ साझेदारी का भी जिक्र किया और दावा किया कि इस सहयोग से जेमिनी के ग्राहक आधार में तीन करोड़ नए उपयोगकर्ता जुड़ें। कंपनी का मानना है कि किफायती सेवाओं और बड़े वितरण नेटवर्क का संयोग इन डिजिटल उत्पादों के लिए नए बाजार तैयार कर सकता है।

नकदी प्रवाह और भविष्य की वृद्धि पर जोर

ईशा अंबानी ने कहा कि रिलायंस अपने कारोबार को दो प्रमुख वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाता है। पहला है मजबूत बैलेस शीट तैयार करना और उसकी सुरक्षा करना, जबकि दूसरा है ऐसा मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न करना, जिसे लगातार बढ़ते कारोबार में दोबारा निवेश किया जा सके। कंपनी की रणनीति में निर्माण, निवेश, विस्तार, नकदी सृजन और फिर विकास में पुनर्निवेश का चक्र महत्वपूर्ण है। ईशा ने वर्ष 1977 में धीरूभाई अंबानी द्वारा रिलायंस इंडस्ट्रीज को सार्वजनिक बाजार में लाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय से निवेशकों की भागीदारी कंपनी की विकास यात्रा का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने अपने दावा की उस सोच को भी याद किया, जिसके अनुसार हर भारतीय को देश की आर्थिक प्रगति में भाग लेने और समृद्धि का लाभ पाने का अवसर मिलना चाहिए। उनके मुताबिक, "ग्रोथ इज लाइफ" केवल एक नारा नहीं, बल्कि नई तकनीक, नवाचार और बड़े कारोबारी अवसरों को लगातार विकसित करने की प्रतिबद्धता है।



भी भविष्य की योजना का हिस्सा बताया और कहा कि उसका उद्देश्य तकनीकी उन्नयन के जरिए मौजूदा ढांचे का बेहतर उपयोग करना है। जियो के लिए चुनौती केवल ग्राहक संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि नेटवर्क की गुणवत्ता बनाए रखना, नई सेवाओं को सफल बनाना और लगातार निवेश के लिए मजबूत नकदी प्रवाह तैयार करना भी होगी।

कनेक्टिविटी से डिजिटल अर्थव्यवस्था तक जियो का अगला अध्याय

जियो की दस साल की यात्रा भारतीय दूरसंचार बाजार में आए बड़े बदलावों से जुड़ी है। कंपनी ने किफायती डेटा, बड़े नेटवर्क और डिजिटल सेवाओं के जरिए व्यापक ग्राहक आधार बनाया है। अब प्रस्तावित आईपीओ के माध्यम से निवेशकों को उसके अगले विकास चरण में भागीदारी का अवसर देने की तैयारी है। ईशा अंबानी ने कंपनी की दीर्घकालिक कारोबारी सोच और वित्तीय अनुशासन को रेखांकित किया, उदय कोटक ने आईपीओ को भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, जबकि आकाश अंबानी ने 5G, एआई, घरेलू ब्रॉडबैंड, उद्यम सेवाओं और अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजनाएं सामने रखीं। कंपनी की आगे की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन योजनाओं को कितनी प्रभावी ढंग से लागू करती है, ग्राहकों को कितना वास्तविक मूल्य देती है और विकास के साथ वित्तीय मजबूती को किस तरह बनाए रखती है। जियो का लक्ष्य स्पष्ट है—भारत की डिजिटल प्रगति में बड़ी भूमिका निभाना और भारतीय तकनीकी क्षमताओं को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना।

रेलवे ट्रैक के लिए होना है पेड़ों की कटाई

गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जिले के चोरल जंगलों में रेलवे ट्रैक परियोजना के तहत होने वाली पेड़ों की कटाई पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए अंतरिम रोक लगा दी है। यह मामला इंदौर, मालवा और निमाड़ क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन से जुड़ा है, जिस पर अदालत ने गंभीर रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोकजे और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने सिमरोल-चोरल से बड़वाह तक विछाप जाने वाले रेलवे ट्रैक के

सिलसिले में यह अहम आदेश दिया। अदालत ने रेलवे और वन विभाग को आधिकारिक रूप से नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इस पूरे मामले की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

बाई लाख से अधिक पेड़ों पर मंडरा रहा था खतरा

याचिकाकर्ता करण बैरागी की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मनीष यादव ने न्यायालय के समक्ष दलील दी कि चोरल के घने जंगल इंदौर और आसपास के मालवा क्षेत्र के पर्यावरण को संतुलित

रखने में रीढ़ की हड्डी समान हैं। ये जंगल निमाड़ की ओर से आने वाली गर्म और झुलसाने वाली हवाओं को रोकने का कार्य करते हैं। याचिका में आशंका जताई गई है कि इस प्रोजेक्ट के तहत छोटे-बड़े ढाई लाख से अधिक पेड़ों को काटा जाना प्रस्तावित है, जिससे पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी। पिछले पांच वर्षों से गर्मियों के दौरान इंदौर का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। ऐसे में इतनी भारी मात्रा में पेड़ों की कटाई होने से तापमान में और अधिक वृद्धि होगी, भूजल स्तर



तेजी से गिरेगा और क्षेत्र की बारिश पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। सुनवाई के दौरान रेलवे ट्रैक के

जो डिजाइन तैयार किया गया था, उसकी जद में लगभग 40 से 50 हजार पेड़ आ रहे थे। परंतु बाद में डिजाइन में परिवर्तन किए जाने के कारण पेड़ों की कटाई का दायरा अचानक कई गुना बढ़ गया। दूसरी ओर, रेलवे की तरफ से ट्रैक की ढलान अधिक होने और सिमरोल से बड़वाह तक की यात्रा में 30 से 40 मिनट अतिरिक्त समय लगने जैसी व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला दिया गया। हालांकि, इन तर्कों के बावजूद मुख्य न्यायाधीश ने इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों के काटे जाने की योजना पर चिंता व्यक्त की।

वन्यजीवों का रहवास और जैव विविधता संकट में

याचिका में चोरल वन क्षेत्र की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए वन्यजीवों की मौजूदगी के पुख्ता आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए। इसके अनुसार, इस क्षेत्र में बाघों के 37 और तेंदुओं के 89 पगमाकं दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा चीतल, सांभर, लोमड़ी, मोर और जंगली खरगोश जैसे वन्यजीव भी यहां बहुतायत में पाए जाते हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि पेड़ों के कटने से इन मूल जीवों का प्राकृतिक आवास छिन जाएगा और जैव विविधता नष्ट

हो जाएगी। इसके साथ ही, क्षेत्र में पाई जाने वाली करीब 58 स्थानीय वृक्ष प्रजातियों के दुर्लभ होने और सलाई जैसे महत्वपूर्ण पेड़ों के घटते दायरे पर भी चिंता जताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिकाकर्ताओं ने वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान के स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने की मांग की है, ताकि प्रोजेक्ट के पर्यावरणीय प्रभावों का सटीक आकलन हो सके। फिलहाल हाईकोर्ट की इस रोक से पर्यावरणविदों और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

मेट्रो प्रोजेक्ट: एयरपोर्ट के पास भूमिगत स्टेशन पर उतारी गई दूसरी टीबीएम

गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। एयरपोर्ट के पास स्थित भूमिगत मेट्रो स्टेशन परिसर में जमीन की सतह से 18 मीटर गहराई में बने शाफ्ट में मेट्रो की सुरंग तैयार करने के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) सरस्वती को सफलतापूर्वक उतार दिया गया है। यह अत्याधुनिक मशीन अक्टूबर माह के अंत से दूसरी सुरंग के निर्माण का कार्य शुरू करेगी। करीब साढ़े सात घंटे चली लंबी प्रक्रिया के बाद दोपहर 11:30 बजे शुरू हुई कार्रवाई शाम 7:30 बजे पूरी हुई, जिसमें 410 टन वजन की इस टीबीएम को भूमिगत शाफ्ट में उतारा गया है। मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत एयरपोर्ट से बड़ा गणपति की ओर दो अलग-अलग सुरंगों का निर्माण किया जाना है, जिनमें से एक सुरंग में मेट्रो की अप लाइन और दूसरी में डाउन लाइन संचालित होगी। गौरतलब है कि इससे पहले एयरपोर्ट के पास ही मेट्रो स्टेशन परिसर के शाफ्ट में 21 सितंबर को पहली टीबीएम नर्मदा को उतारा गया था। इस पहली मशीन के जरिए एयरपोर्ट से बीएसएफ की ओर पिछले 12 दिनों में 17 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जा चुका है। एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच भूमिगत



कॉरिडोर के तहत सुरंग निर्माण में ये टनल बोरिंग मशीनें बेहद अहम भूमिका निभा रही हैं। ये आधुनिक मशीनें जमीन के नीचे तय अलाइनमेंट के अनुसार पूरी सटीकता से सुरंग की खुदाई करती हैं। इसके अलावा, बड़ा गणपति से रीगल की ओर सुरंग बनाने के लिए दो अन्य टीबीएम का उपयोग किया जाएगा, जिनमें से तीसरी टीबीएम ह्यावविक्रीट काह्ले के पुजे नवंबर के अंत तक इंदौर पहुंच जाएंगे। सुरंग निर्माण कार्य के दौरान जनसुरक्षा और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा

रही है। निर्माण क्षेत्र के आसपास लगभग 30 मीटर के दायरे में आने वाले सभी भवनों का संरचनात्मक सुरक्षा सर्वेक्षण (बिल्डिंग कंडीशन सर्वे) कराया गया है। साथ ही, भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा और जमीन की स्थिरता पर निरंतर नजर रखने के लिए सेंसर लगाए गए हैं ताकि हर गतिविधि की सतत निगरानी हो सके। मेट्रो एमडी एस कृष्ण चैतन्य के अनुसार, देश के अन्य बड़े शहरों की तर्ज पर इंदौर में भी सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों का पूरी सख्ती के साथ पालन किया जा रहा है।

म.प्र. आइजा के अध्यक्ष धर्म को जीवन में उतारना ही आत्म बने डॉ. प्रदीप बाफना कल्याण का मार्ग : मुनिराज डॉ. सिद्धरत्न

गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आइजा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुडिया ने डॉ. प्रदीप बाफना को मध्य प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया है। मुंबई में हुई घोषणा के दौरान उन्होंने कहा कि डॉ. बाफना ने मध्य प्रदेश में एक साथ 450 पत्रकारों को जोड़कर संगठन को मजबूती प्रदान की है। उन्हें पुनः संगठन को कमान सौंपते हुए समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हुडिया ने कहा कि आइजा जैन समाज में जागरूकता लाने के साथ धर्म में व्याप्त शिथिलाचार और आडंबर के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने डॉ. बाफना से शीघ्र नई प्रदेश कार्यकारिणी गठित कर संगठन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजीव सैना की कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रदीप बाफना के नेतृत्व में मांडवगढ़ तथा राजीव सैना की नेतृत्व में पूंछ सुधासागर जी महाराज



के सान्निध्य में अशोकनगर में आयोजित आइजा के राष्ट्रीय सम्मेलन ऐतिहासिक रहे। संगठन आगे भी समाज को जागरूक करने के लिए मिलकर कार्य करेगा।

डॉ. प्रदीप बाफना ने जताया आभार

नवनि्युक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बाफना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विश्वास जताकर पुनः संगठन के माध्यम से समाजहित में कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने जल्द ही मध्य प्रदेश की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने की बात कही।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 8.70 लाख ठगे

गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जिले में साइबर ठगी के दो बड़े मामले सामने आए हैं, जहां शायि र लोगों ने अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है। चंदन नगर और राजेंद्र नगर थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पहला मामला चंदन नगर क्षेत्र का है, जहां ताप्ती परिसर निवासी जय कुमार बड़ोनिया के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई। अप्रैल के महीने में उनके पास एक अज्ञात महिला का फोन आया था, जिसने

उन्हें इंटरनेशनल शेयर मार्केट में निवेश करने पर कम समय में बंपर मुनाफे का लालच दिया। महिला के झांसे में आकर जय कुमार ने कुल नौ अलग-अलग बार में 8 लाख 70 हजार रुपए ट्रॉंसफर कर दिए। जब उन्होंने अपने पैसे और मुनाफे की रकम वापस निकालने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने और रुपयों की मांग शुरू कर दी। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी की यह पूरी रकम बैंक ऑफ इंडिया, बंधन बैंक और स्मॉल फाइनेंस बैंक के कई खातों में ट्रॉंसफर की गई थी।

गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्धिशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास 2026 के अंतर्गत गच्छाधिपति जैनाचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्र्मा में धर्मसभा आयोजित हुई। इसमें वरिष्ठ मुनिराज डॉ. सिद्धरत्न विजयजी म.सा. ने त्याग, तप, संयम, कर्मसिद्धांत, नवपद ओली आराधना एवं आत्मकल्याण के विषय में प्रेरणादायी प्रवचन दिए।

मुनिराजश्री ने कहा कि मनुष्य को संसार में दुबने के बजाय परमात्मा के चरणों में संलग्न होना सीखना चाहिए। धन, संपत्ति, परिवार और मान-सम्मान प्राप्त करना जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है। क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष और अहंकार जैसे अशुभ भावों का त्याग करके ही आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ा जा सकता है। धर्म केवल बुद्धि का विषय नहीं, बल्कि आचरण है। उसे अपने आचरण में उतारना आवश्यक है।

आगामी 18 अक्टूबर से शाश्वत नवपद ओलीजी की आराधना प्रारंभ होगी। धर्मसभा में महेंद्रजी अर्पितजी बागवाला की ओर से



डॉ. राजेंद्रजी एवं शिखरजी ने अशोकजी लुंकड़ (अंजड़), संघ मंत्री मनोहरलालजी पुराणी (कुक्षी) तथा सूरत से आए सुरेशभाई बल्लू एवं इंदमल मुनीलालजी रामाणी (चेन्नई) का बहुमान किया। प्रभावना के लाभार्थी अशोक लुंकड़ रहे। कार्यक्रम का संचालन नीरजजी सुराणा ने किया तथा आभार धन्यज संघवी ने माना। धर्मसभा में संजय मानमलमोदी, महेंद्र भंडारी, विजय मुगत, वीरेंद्र जैन, नितेश संचेती एवं आनंदीलाल खजांची सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

47वाँ जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

पुण्य सम्राट के शिष्य एवं वर्तमान गच्छाधिपति के आज्ञानुवर्ती प.पू. मुनिराज श्री प्रशमसेन विजयजी म.सा. का 47वाँ जन्मोत्सव आज श्री केसरी वाटिका एवं कीमती गार्डन में श्रद्धालुओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस दौरान बताया गया कि मुनिराज का जन्म 16 अक्टूबर 1979 को सूरत, गुजरात में हुआ। बाल्यकाल से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी प्रशमसेन विजयजी म.सा. ने 2 दिसंबर 1999 को कुक्षी में दीक्षा ग्रहण की। उन्होंने अपने गुरु की परंपरा, साहित्य एवं ज्ञान-साधना को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाया। गुरुदेव के प्रति समर्पण का भाव ऐसा रहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में गुरु-साहित्य के सृजन को कभी रुकने नहीं देने का संकल्प लिया। इसी संकल्प के अनुरूप उन्होंने लगभग 150 स्तवनों की रचना की। इसके अतिरिक्त युग प्रभावक ग्रंथ, जयंतसेन गुणगाथा एवं तीर्थंकर परिचय जैसे महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कार्यों का सृजन किया। गुरुदेव के देवलोकगमन के बाद भी उन्होंने कंठस्थ स्तवनों, सज्जाणों, अधूरी पुस्तकों एवं अन्य साहित्यिक रचनाओं को प्रकाशित करवाने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया।

डॉक्टरों ने निकाली साइक्लोथॉन

रीढ़ की सर्जरी से जुड़े डर और भ्रांतियों को दूर करने का दिया संदेश



गुदुगाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। वर्ल्ड स्पाइन डे के अवसर पर शुक्रवार को इंदौर में रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य के प्रति जन-जागृत करने के लिए एक अनोखी पहल देखने को मिली। इंदौर स्पाइन सर्जन एसोसिएशन के तत्वावधान में शहर में एक विशाल साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 से 80 वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन, स्पाइन सर्जन और एनेस्थेस्टिस्ट साइकिल लेकर सड़कों पर उतरे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को निमित्त व्यायाम और फिटनेस का संदेश देने के साथ-साथ रीढ़ की सर्जरी को लेकर लोगों के मन में बैठे डर और

भ्रांतियों को दूर करना था। सर्जरी वाले मरीजों ने भी चलाई साइकल

इस साइक्लोथॉन का सबसे बड़ा आकर्षण वे मरीज रहे, जिन्होंने हाल ही में स्पाइन सर्जरी कराई थी और वे डॉक्टरों के साथ साइकिल चलाते नजर आए। उनकी इस सक्रिय भागीदारी के माध्यम से यह मजबूत संदेश दिया गया कि उचित चिकित्सीय सलाह और सही समय पर इलाज के बाद मरीज पूरी तरह ठीक होकर एक सामान्य और सक्रिय जीवनशैली दोबारा आरंभ सकते हैं। करार के सचिव डॉ. अविनाश जैन ने बताया कि समाज में अक्सर यह भ्रम रहता है कि स्पाइन सर्जरी के

बाद व्यक्ति सामान्य जीवन नहीं जी सकता, जिसके चलते लोग इलाज से हिचकते हैं। ऐसे मरीजों का साइकिल चलाना लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए एक मिसाल है। साइक्लोथॉन का नेतृत्व अध्यक्ष डॉ. एसके लूनावत, उपाध्यक्ष डॉ. प्रसाद पटगांवकर और सचिव डॉ. अविनाश जैन ने किया। इस दौरान एसोसिएशन ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन ऑफ इंदौर के सचिव डॉ. प्रणव महाजन, डॉ. मंसद और डॉ. मनचंदा सहित कई दिग्गज चिकित्सक शामिल हुए। शहर के सक्रिय साइकिल राइडर्स और यातायात पुलिस के सहयोग से यह जागरूकता अभियान पूरी तरह सफल रहा।

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक श्रीमती उर्वशी राज पतिश्री गोपालकृष्ण, गोपालकृष्ण पिता श्री भागीरथ भवत बोरसिया केला राकेश परमार, माधव सिंह परमार पता 82 एन.एम.प्राइड-1, तलावलीबादा, इंदौर, पिन 1004580817, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 17.10.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के समुच्च उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक श्रीमती मधु राठौर पतिश्री रामबाबू राठौर, वनरयाम मोदी पिता श्री लक्ष्मण सिंह केला राकेश परमार, माधव सिंह परमार पता 82 एन.एम.प्राइड-1, तलावलीबादा, इंदौर, पिन 1004580817, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 17.10.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के समुच्च उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक श्री अनिल कुमार पिता स्व. श्री महावीरप्रसाद जैन पिन 1001016879 पैक्री भाग, झोन क्र. 08, वार्ड 371 पता 398 एम.आर.-3, महालक्ष्मी नगर, इंदौर इस जाहिर सूचना प्रकाशन 17.10.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के समुच्च उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, वहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/केता साहू कर्तव्यरान एण्ड इन्फर्स्ट्रक्चर वर्क (1) आनंद रूप पिता श्री विष्वनाथ साहू (2) रवेया साहू पिता आनंद रूप साहू (3) तैयान पिता आनंद रूप साहू विकेला श्री सदीप देवाण्णए एम यूएफ मो.नं. 7389947055 झोन क्र. 5 जयन्त विभाग पर आवेदन के साथ रिजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, वन पत्र अनुसार प्रस्तुत कर सार्विस /पिन नंबर 1001289004 पता 95, रास सिटी, सुखानिया, इंदौर पर नामांतरण किया गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक 17.10.2026 से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति के संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जौन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अथवा पश्चात वह किता प्रेक्षी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, जौन क्रमांक 5, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक श्री गुरुल साठे पिताश्री रविन्द कुमार साठे, रुपा गांगुली, रोहिणी बीके, कौति गुप्ता पता 46, पंढरीनाथ पथ, श्रेयास विल्डिंग, इन्दौर पिन 10011526937, झोन क्रमांक 12 वार्ड 1। वसीयत पत्र के अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 17.10.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 12 के सहायक राजस्व अधिकारी के समुच्च उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 12 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक श्री गुरुल साठे पिताश्री रविन्द कुमार साठे, रुपा गांगुली, रोहिणी बीके, कौति गुप्ता पता 46, पंढरीनाथ पथ, श्रेयास विल्डिंग, इन्दौर पिन 10011526937, झोन क्रमांक 12 वार्ड 1। वसीयत पत्र के अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 17.10.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्र. 14 वार्ड क्र. 85 के सहायक राजस्व अधिकारी के समुच्च उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।
सहायक राजस्व अधिकारी, राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर

गुरुवार रात नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि बीच चर्चा का विषय रहा। बच्चों के प्रति मनोरंजन और मेल-मिलाप का अच्छा की रीनक को और बढ़ा रही है। किया जाएगा।



सति माता मंदिर पर नवरात्रि में हो रही विशेष पूजन, मंदिर पर उमड़ रही भक्तों की भीड़ पेड़ों पर लटकी इंसानी तस्वीरें और पुतले, शत्रु नाश के लिए साधना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। भैरवगढ़ क्षेत्र में ओखलेश्वर रोड पर काल भैरव मंदिर और विक्रांत भैरव मंदिर के पास स्थित सती माता मंदिर (जिसे स्थानीय लोग मेलडी माता मंदिर भी कहते हैं) में इन दिनों अजीब हालचल देखने को मिल रही है। मंदिर परिसर के आसपास आधा दर्जन से अधिक पेड़ों पर महिला-पुरुषों की तस्वीरें, कपड़े, सैंडल, नींबू-मिर्च और कपड़ों से बनाए गए पुतले टंगे हुए हैं। कई तस्वीरों पर कीलें भी टुकी हुई हैं। भक्तों और स्थानीय लोगों के अनुसार, इन वस्तुओं को शत्रु नाश

और विरोधियों को नुकसान पहुंचाने से जुड़े कर्मकांडों का हिस्सा माना जाता है। तांत्रिकों का दावा है कि यहां पारिवारिक विवादों, विवाहेत्तर संबंधों या सास-बहू के झगड़ों से परेशान लोग अपने विरोधियों से छुटकारा पाने के लिए विशेष पूजन कराते हैं। हालांकि, इन कर्मकांडों के पीछे के दावों का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है। जानकारों का मानना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के दृश्यों के वायरल होने के बाद से यहां आने वालों की भीड़ बढ़ गई है, जबकि वास्तविकता में इस तरह के अंधविश्वास से कुछ हासिल नहीं होता।



श्मशान और भैरव मंदिरों का है सानिध्य

यह पूरा इलाका चक्रतीर्थ और

ओखलेश्वर श्मशान घाट के करीब स्थित है। इसके अलावा, यहां काल भैरव और विक्रांत भैरव जैसे प्रसिद्ध

मंदिर भी मौजूद हैं। स्थानीय परंपराओं में भैरव उपासना और श्मशान साधना का खास स्थान है, जिस वजह से नवरात्रि के दौरान यहां तंत्र साधना को लेकर विभिन्न चर्चाएं तेज हो जाती हैं। हालांकि, मंदिर के आसपास के सभी कर्मकांडों को सीधे तौर पर तंत्र साधना से जोड़ने का कोई स्वतंत्र प्रमाण मौजूद नहीं है।

सती माता से मेलडी माता तक का सफर

सरकारी रिकॉर्ड में इस स्थल का मूल नाम 'सती माता मंदिर' दर्ज है और यहां माता की चरण पादुकाएं भी स्थापित

हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ साल पहले तक इसे इसी नाम से जाना जाता था, लेकिन धीरे-धीरे 'मेलडी माता मंदिर' नाम का प्रचलन बढ़ गया। गुजरात की लोक मान्यताओं में मेलडी माता का संबंध श्मशान और तांत्रिक परंपराओं से जोड़ा जाता है, जिन्हें 'मां मसान मेलडी' भी कहा जाता है। हालांकि, इस नाम में बदलाव की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बहरहाल नवरात्रि महोत्सव में यहां साधना से शत्रुओं के नाश एवं परेशानियों से छुटकारा की मान्यता को लेकर बड़ी संख्या में भक्तजनों को ताता लगा हुआ है।

माता टेकरी पर उमड़ रही आस्था 6 लाख से अधिक ने किए दर्शन

वीकेंड की भीड़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, यातायात व्यवस्था के लिए तैयार किए चार प्लान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। शहर में इन दिनों शारदीय नवरात्रि महोत्सव की धूम मची हुई है। मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा के दर्शन के लिए माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की कतारें लगातार बढ़ रही हैं। नवरात्रि की शुरूआत से अब तक लगभग 6 लाख से अधिक श्रद्धालु माता टेकरी पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं। इसके साथ ही दिन-प्रतिदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या के बीच शनिवार और रविवार को संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन और यातायात पुलिस ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। यातायात पुलिस का प्रयास है कि माता रानी के दर्शनों के लिए भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए। इसके लेकर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि माँ चामुंडा मंदिर माता टेकरी भक्तों की विशेष आस्था का केन्द्र है।

श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार यातायात व्यवस्था के चार प्लान तैयार किए गए हैं।



सामान्य भीड़ रहने पर मौजूदा व्यवस्था के तहत यातायात संचालित किया जाएगा। भीड़ बढ़ने पर पार्किंग स्थल बढ़ाने, ड्रॉप गेट पर वाहनों

को रोकने और आवश्यकता पड़ने पर शहर के बाहरी हिस्सों में ही वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य माता टेकरी के आसपास जाम की स्थिति बनने से रोकना और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराना है।

तीन थाना प्रभारियों सहित 66 जवानों की तैनाती

नवरात्रि के दौरान यातायात व्यवस्था संभालने के लिए एसपी, डीएसपी, तीन थाना प्रभारियों सहित 66 जवानों की तैनाती की गई है। वीकेंड पर लगभग 150 अतिरिक्त जवान उपलब्ध कराए जाएंगे। स्टेशन चौराहा, केलादेवी चौराहा, मधुमिलन चौराहा, गजरा गियर्स चौराहा, बीमा चौराहा, रसूलपुर चौराहा, भोपाल बायपास और मकसी बायपास सहित प्रमुख स्थानों पर ड्रॉप गेट लगाए जाएंगे। भीड़ बढ़ने पर इन स्थानों से वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी।

खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण और कांस्य रोजगार मेले में 70 से अधिक विद्यार्थियों का प्रारंभिक चयन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। 21वीं जूनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने सिंगल्स, डबल्स, मिक्सड डबल्स और टीम इवेंट में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर स्वर्ण एवं कांस्य पदक अपने नाम किए। विश्वामित्र अवाडी सुदेश सांगते ने बताया कि प्रतियोगिता में निपुण सांगते ने बालक सिंगल्स स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं निपुण सांगते और आदित्य बालोदिया की जोड़ी ने डबल्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल कर मध्यप्रदेश का एक और बड़ी सफलता दिलाई।

शानदार तालमेल और खेल कौशल का परिचय

मिक्सड डबल्स स्पर्धा में आदित्य बालोदिया और चारवी सिंह की जोड़ी ने शानदार तालमेल और खेल कौशल का परिचय देते हुए



स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं निपुण सांगते और मनुस्मृति सिंह की जोड़ी ने मिक्सड डबल्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता।

बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक

मध्यप्रदेश की बालक टीम ने टीम इवेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। बालक सिंगल्स स्पर्धा में आदित्य बालोदिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया। मध्यप्रदेश की इस उपलब्धि में खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, आपसी तालमेल और खेल के प्रति समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के कोच गौरव

मैनेजर प्रीति पंवार के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर देवास-शाजापुर क्षेत्र के सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी, मध्यप्रदेश सॉफ्ट टेनिस संघ की अध्यक्ष डॉ. आयुषी देशमुख, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, संघ की उपाध्यक्ष डॉ. समीरा नईम, सचिव माया सांगते, भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, खेलगुरु राधेश्याम सोलंकी, श्रीकांत उपाध्याय, जिला अध्यक्ष महेश चौहान, हेमेट्ट निराम, प्रवीण सांगते, मनीष जायसवाल, कमल ठाकुर सहित अनेक खेलप्रेमियों ने खिलाड़ियों, कोचों एवं मैनेजर को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एग्सोर्लेस, कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में एक वृहद रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में प्रतिष्ठित नियोजक कंपनी वीई कमर्शियल लिमिटेड (आयशर) ने विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए योग्य युवाओं के साक्षात्कार लिए।

रोजगार मेले में युवाओं का भारी उत्साह देखने को मिला। ऑनलाइन पंजीयन कराने वाले 115 से अधिक आवेदक इस साक्षात्कार प्रक्रिया में शामिल हुए, जिनमें से विभिन्न पदों के

लिए 70 से अधिक विद्यार्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। इस वृहद आयोजन से भाग लेने वाले विद्यार्थियों में रोजगार की नई संभावनाओं को लेकर खासा आत्मविश्वास जागा है। प्राचार्य डॉ. बी.एस. जाधव के निर्देशन में आयोजित मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में डॉ. निलेश महाजन (टीपीओ), डॉ. निकिता कर्मा (रोजगार प्रकोष्ठ संयोजक) और पूरी टीम ने अहम भूमिका निभाई। आयशर कंपनी की ओर से प्रतिनिधि के रूप में बृजराज मंडलोई, भरत परिहार और महेंद्र उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यार्थियों के पंजीयन और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं में डॉ. जरीना लोहावाला, डॉ. जॉन प्रीतेश, डॉ. अर्पित कुमावत, डॉ. सीमा परमार का सहयोग रहा।



दुपाड़ा रोड ब्रिज पर घायल मिला देवास निवासी बुजुर्ग

शाजापुर। लालघाटी थाना क्षेत्र में दुपाड़ा रोड स्थित नेशनल हाईवे पर एक व्यक्ति घायल मिला। उसे हाईवे एंबुलेंस 1033 की मदद से शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की टीम ने वहां प्राथमिक उपचार दिया। हालत गंभीर होने के कारण उसे गुरुवार रात 11 बजे 108 एंबुलेंस से एमवाय हॉस्पिटल इंदौर रेफर कर दिया गया।घायल की पहचान 50 वर्षीय मुकेश पिता छीतू निवासी सोमा बरखेड़ा देवास के रूप में हुई है। बताया गया कि मुकेश किसी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान वह दुपाड़ा रोड ब्रिज पर घायल मिले। हाईवे से गुजर रहे लोगों की सूचना पर एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मुकेश किस वजह से घायल हुए, यह अभी साफ नहीं हो पाया है।



के बाद हो रही है, जिसमें शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर 100 से 200 मीटर के दायरे में बने अवैध होटलों, आश्रमों और कॉलोनियों के कारण फैल रहे सीवरेज प्रदूषण का मुद्दा उठाया गया था। मामलों की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने गत 5 मई को नगर निगम को सिंहस्थ आरक्षित भूमि पर हुए सभी अतिक्रमणों को हटाने के कड़े निर्देश दिए थे।

एवथान मोड़ में प्रशासन

अदालत के आदेश के बाद से प्रशासन एक्शन मोड में है। इससे पहले लाल पुल क्षेत्र में माधवानंद

आश्रम, शंकराचार्य मठ और सिंहस्थ क्षेत्र की अन्य संपत्तियों पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। सितंबर माह में सड़क चौड़ीकरण के दौरान शाही मस्जिद के हिस्से को हटाने को लेकर कुछ विरोध और पथराव की स्थिति भी बनी थी, जिसे बाद में प्रबंधन के सहयोग से सुलझा लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंहस्थ क्षेत्र में आने वाली हर साल 80 धार्मिक स्थलों और अन्य अवैध संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई योजनाबद्ध तरीके से की जा रही है, ताकि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गोवा एक्सप्रेस से भिड़ी मेंटेंस ट्राली, दो लोगों की हुई मौत डायवर्ट रूट पर आई ट्रेन, स्पीड तेज होने से नहीं हट पाई ट्राली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के बेरछा और मकसी के बीच झोंकर रेलवे फाटक के पास शुक्रवार सुबह भीषण हादसा हो गया। जब गोवा एक्सप्रेस ट्रेक मेंटेंस ट्राली से टकरा गई। इस ट्राली में सवार 5 गैंगमैन में से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दो और लोगों को भी चोट आई है। पांचवां कर्मचारी समय रहते ट्राली से कूद गया।

बताया जाता है कि बेरछा रेलवे स्टेशन से करीब 14 किलोमीटर दूर पीर उमरोद और मकसी के बीच ट्रेक मेंटेंस किया जा रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे पीडब्ल्यू आई ट्राली में 5 रेल कर्मचारी काम में जुटे थे। इसी दौरान डायवर्टेड रूट से गुजर रही ट्रेन उसी ट्रेक पर आ गई। ट्रेन के लोको पायलट ने हार्न बजाया, लेकिन स्पीड ज्यादा होने की वजह से कर्मचारी ट्राली नहीं हटा पाए।

हादसे में भगवान सिंह बिलमा की मौके पर ही मौत हो गई। दिलीप जायसवाल पैर कटने से गंभीर रूप से घायल हो गया। दिलीप के साथ विक्रम और सद्दाम को भी मकसी के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से सभी को उज्जैन रेफर कर दिया गया है। यहां इलाज के दौरान दिलीप की मौत हो गई। इससे पहले टीम लीडर मनोज वर्मा ट्राली से कूदकर जान बचाने में कामयाब हो गए थे। नहीं तो वह भी हादसे का शिकार हो जाता।

15 दिन से डायवर्ट कर चलाने लगी थी ट्रेन

ट्रेन नंबर 12780 गोवा एक्सप्रेस जो हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से चलकर भोपाल होते हुए वास्कोडिगामा जाती है। इसे पिछले 15 दिन से मथुरा से भोपाल की ओर डायवर्ट कर चलाया जा रहा था। शुक्रवार को यह ट्रेन उज्जैन से भोपाल की ओर जा रही थी। इसी बीच हादसा हो गया।

राष्ट्रीय एकता शिविर हरियाणा में भाग लेंगे नारायण विद्या मंदिर क्रमांक 1 के छात्र

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। नारायण विद्या मंदिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 के छात्र राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत यह शिविर हरियाणा के बड़ मंडी फतेहाबाद में 22 अक्टूबर तक भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी मिर्जा मुशाहिद बैग ने बताया कि उक्त शिविर में मध्य प्रदेश दल में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के चार छात्र सावन चौहान एवं विनीत डांगी नारायण विद्या मंदिर क्रमांक एक देवास तथा बंटी सोलंकी और ईशान राठौर उत्कृष्ट विद्यालय उज्जैन भाग ले रहे हैं। जिन्हें आज सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के



कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉक्टर शेखर मैदमवार एवं संस्था के प्राचार्य केके मिश्रा ने माला पहनाकर उनका स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए ट्रेन से हरियाणा के लिए रवाना किया।

ऐसा कार्यक्रम से होता है व्यक्तिगत विकास

डॉ. शेखर मैदमवार ने छात्रों को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेना एक गर्व और उपलब्धि का विषय है। इस तरह के कार्यक्रम में भाग

लेकर आप अपने व्यक्तित्व का विकास भी कर सकते हैं और राष्ट्र के कार्यों में अपना योगदान प्रदान कर सकते हैं। इस शिविर में आप मेहनत और अनुशासन से भाग लेकर अपनी संस्था, अपने विश्वविद्यालय और अपने प्रदेश का नाम रोशन करें और राष्ट्रहित में अपना योगदान दें। इस शिविर से वापस आकर आप अपने अनुभवों से अपनी संस्था में भी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों को एक नयी दिशा प्रदान करें, उसे आगे बढ़ाने में संलग्न रहे यह संस्था के लिए भी उपलब्धि का विषय होगा।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिया जनजातीय सम्मेलन में भाग

करीला धाम को करीला लोक के रुप में विकसित किया जाएगा : सिंधिया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र करीला धाम को भव्य स्वरूप प्रदान करते हुए करीला धाम लोक के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे न केवल करीला धाम की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, चंदेरी, अशोकनगर और मुंगावली सहित आसपास के क्षेत्रों से करीला धाम तक श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम बनाने के लिए सड़क संपर्क को बेहतर किया जा रहा है। यह बात केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कही। सिंधिया शनिवार को करीला धाम परिसर स्थित जनजाति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने करीला धाम में मत्था टेक सभी के कल्याण की कामना की। इस मौके पर

उन्होंने कहा कि करीला धाम जैसे आस्था के केंद्र हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। इन्हें बेहतर सुविधाओं और सुगम आवागमन से जोड़ना क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

100 करोड़ रुपये से सड़क संपर्क को मिलेगी गजबूती

सिंधिया ने कहा कि करीला धाम तक पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से शादोरा से धाम तक लगभग 50 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। सड़क संपर्क बेहतर होने से अशोकनगर जिले के साथ चंदेरी और मुंगावली क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं की भी सुविधा मिलेगी। बेहतर सड़क सुविधा से धार्मिक आयेजनों के दौरान आवागमन आसान होगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय लोगों को भी आवागमन में राहत मिलेगी



और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक एवं पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकेगा।

शबरी आश्रम में 50 लाख के विकास

उन्होंने बताया कि शबरी आश्रम में स्थानीय

विधायक निधि से 25 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन तथा 25 लाख रुपये की लागत से टिन शेड का निर्माण कराया जाएगा। इन दोनों कार्यों पर कुल 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। सामुदायिक भवन बनने से सामाजिक, सांस्कृतिक और सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। वहीं, टिन शेड के निर्माण से विभिन्न आयोजनों और कार्यक्रमों के दौरान लोगों को सुविधा मिलेगी। ये कार्य स्थानीय स्तर पर आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

आदिवासी समाज प्रकृति और संस्कृति का संरक्षक

सिंधिया ने कहा कि आदिवासी समाज हमारी प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं का सच्चा संरक्षक है। इस समाज ने सदियों से

अपनी विशिष्ट जीवनशैली, परंपराओं और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंधों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का सम्मान, उसका कल्याण और उसे विकास की मुख्यधारा में समान अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समुदाय के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गौरव की बात है कि भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जनजातीय समाज से आती हैं। उनका सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचना देश के लोकतंत्र की शक्ति और समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने की भावना का प्रतीक है। यह उपलब्धि जनजातीय समाज

की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सिंधिया ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

हितग्राहियों को वितरित किया पोषण आहार

जनजातीय सम्मेलन के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने केन्द्रीय मंत्री सिंधिया का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और आत्मीयता की झलक देखने को मिली कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज के हितग्राहियों को पोषण आहार भी वितरित किया गया।

भक्ति के नाम पर फूहड़ गानों का शोर, रात तक चला 'डिस्को', रहवासियों ने जताया आक्रोश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर में चल रहे शक्ति के पर्व नवरात्रि के दौरान श्रद्धा, आस्था और पावन माहौल के बीच कई जगह ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो धार्मिक आयोजनों की मर्यादा को तार-तार कर रही हैं। एक तरफ जहां गरबा के नाम पर पारंपरिक संस्कृति को ताक पर रखकर फिल्मी और फूहड़ गानों पर डिस्को जैसी हरकतें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ मंदिरों के पवित्र मार्ग पर आस्था से खिलवाड़ करने वाले लोग अब पश्चाताप करने को मजबूर हैं।

दरअसल, बीती रात शहर के प्रताप छात्रावास प्रांगण में आयोजित गरबा महोत्सव 0.3 का एक ऐसा ही रूप गुरुवार रात देखने को मिला। नवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर जहां मां दुर्गा की आराधना होनी चाहिए थी, वहां पंडाल में पारंपरिक गरबा गीतों के बजाय रिकॉर्ड तोड़ तेज आवाज में फिल्मी और भोजपुरी गानों का शोर गुंज रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान



...में निकला गड्ढी लेकर और खलीबली हो गया है दिल... जैसे गानों पर युवाओं ने डिस्को की तर्ज पर जमकर ठुमके लगाए। हद तो तब हो गई जब तेज आवाज में डीजे और डांस का यह सिलसिला रात के 12 बजकर 35 मिनट तक बेखोफ जारी रहा। इस भारी शोरगुल और आधी रात तक चले हुड़दंग से आसपास के रहवासी बुरी तरह परेशान रहे। जबकि जिला प्रशासन ने रात 10 बजे तक डीजे चलाने की अनुमति दे रखी है।

आयोजकों ने झाड़ा पल्ला

स्थानीय लोगों का आरोप है कि

जब उन्होंने रात में पुलिस को इसकी शिकायत की, तो संबंधित बीट प्रभारी ने बरिष्ठ अधिकारियों को तो डीजे बंद कराने की झूठी सूचना दे दी, लेकिन धरातल पर डीजे की धड़कनें और ठुमके बंदस्तूर जारी रहे। इस ढीले ढवैये ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला गरमाने के बाद जब आयोजकों से पक्ष लिया गया, तो पहले उन्होंने सिरे से फिल्मी गाने बजाने से इनकार कर दिया। लेकिन जब उन्हें ठोस सबूत और प्रमाण दिए गए, तो उन्होंने सारा ठीकरा डीजे संचालक के सिर फोड़ते हुए कहा कि उसने अपनी मर्जी से गाने बजा

दिए थे, जिसे बाद में बंद करा दिया गया था। सवाल यह उठता है कि क्या आयोजकों की बिना जानकारी के कोई डीजे इतनी रात तक किसी धार्मिक मंच पर चल सकता है ?

वया बोले नागरिक

गरबा जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों में इस तरह के फूहड़ गाने चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए। नवरात्रि पर्व की गरिमा को यह लोग धूमिल करने और सनातन संस्कृति को ठेस पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। -गोलू रघुवंशी, निवासी दुर्गा कालोनी

आपत्तिजनक वीडियो बनाने वाले दो आरोपियों को सजा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। जिले में सोशल मीडिया के दुरुपयोग और महिलाओं के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ पुलिस और न्यायपालिका ने सख्त रुख अपनाया है। वर्ष 2021 के एक मामले में कोतवाली पुलिस की प्रभावी विवेचना और अभियोजन पक्ष की ठोस पैरवी के परिणामस्वरूप न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषसिद्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 में थाना कोतवाली में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी भूरा उर्फ चंद्रभान यादव और रिकू उर्फ दीपक नामदेव ने उसके खिलाफ अपद्रव भाषा का प्रयोग करते हुए एक आपत्तिजनक वीडियो बनाया और उसे उसके पति के व्हाट्सएप पर भेज दिया था। इस गंभीर मामले पर सज्जन लेते हुए पुलिस ने आईपीसी की धाराओं के साथ-साथ वैज्ञानिक साक्ष्यों और मोबाइल की तकनीकी जांच के आधार पर सूचना

प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 का इजाफा किया था। खास बात यह रही कि मुकदमे के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी राजीनामा होने और शपथ-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बावजूद, लागू विधिक प्रावधानों के तहत न्यायिक प्रक्रिया जारी रही। न्यायालय ने उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को आईटी एक्ट की धारा 67 में दोषी करार देते हुए प्रत्येक आरोपी को 5,000 रुपए के अर्थदंड और न्यायालय उठने तक की सजा से दंडित किया। इस सफल कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया का उपयोग पूरी जिम्मेदारी और मर्यादा के साथ करें। किसी भी व्यक्ति या महिला के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग, आपत्तिजनक वीडियो बनाना या उसे प्रसारित करना गंभीर कानूनी अपराध है, जिसके तहत भविष्य में भी सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जयवर्धन सिंह ने वोट चोरी और बिजली व्यवस्था पर घेरा

गुना। वोट चोरी, चुनाव आयोग की कथित धांधलियों और भारतीय जनता पार्टी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय गठबंधन के आरोपों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए हल्ला बोल पैदल मार्च निकाला। एसडीएम कार्यालय के बाहर जयवर्धन सिंह ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सुविधों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाए। क्षेत्र में व्याप्त बिजली समस्या को उठाते हुए जयवर्धन सिंह ने कहा कि नवरात्रि जैसे पावन पर्व के दौरान आरोप और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में घंटों की भारी बिजली कटौती की जा रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल सज्जन लेने की मांग की ताकि आमजन त्योहारों को बिना व्यवधान के मना सके। बिजली बिलों में हो रही गड़बड़ी पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी विधानसभा के एक साधारण परिवार की महिला को 2,200 रुपये का भारी-भरकम बिजली बिल थमा दिया गया, जबकि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी आई है कि ग्वालियर में सिंधिया जी के महल का बिल भी करीब इतना ही आ रहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ने एसआईआर में हुई धांधलियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं।

एसआईआर और ईवीएम के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। एसआईआर और ईवीएम से मतदान के विरोध में कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले संबिधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने हुंकार भरते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की रक्षा और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को बचाने के लिए पूरी क्षमता के साथ मैदान में उड़ी हुई है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत जिन 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, यदि वे वास्तव में अपात्र हैं तो उनकी पारदर्शी सूची सार्वजनिक की जाए।



वहीं, जो नागरिक पात्र हैं, उन्हें बिना किसी देरी के तत्काल मतदाता सूची में पुनः जोड़ा जाए। इसके साथ ही कांग्रेस ने चुनाव प्रणाली में ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर बैलेट पेपर से वोटिंग कराने की भी पुरजोर मांग उठाई। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में कांग्रेस ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल हटाने से हटाने तथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

राजगढ़। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को नगर परिषद तलेन में शिविर का आयोजन किया गया। प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनविश्वास अभियान के तहत कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संबंध में आवेदकों से वन-टू-वन चर्चा की। आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनके निराकरण की कार्रवाई की गई।

विधायक नरसिंहगढ़ मोहन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रत्येक शुक्रवार को तलेन तहसील में जनसमस्याओं के निराकरण के लिए जनविश्वास अभियान के अंतर्गत



शिविर का आयोजन होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों को लेकर विवादों में उलझने के बजाय आपसी सहमति से समस्याओं का समाधान करना चाहिए। विशेषकर जमीन संबंधी विवादों में अनावश्यक उलझने से बचना चाहिए, क्योंकि कई बार किसान थोड़े से क्रोध में आकर अपनी मेहनत की कमाई न्यायालयीन प्रकरणों में खर्च कर देते हैं।

जनविश्वास अभियान शिविर में वन टू वन चर्चा

श्री जगदंबिका सेवा समिति की भव्य चुनरी यात्रा में शामिल हुए विधायक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। हर साल की तरह इस बार भी म्याना में श्री जगदंबिका सेवा समिति के नेतृत्व में मां मढ़ी माता के प्रति श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। शाम 5 बजे चौराहे वाले हनुमान मंदिर से शुरू हुई यात्रा सदर बाजार और प्रमुख मार्गों से होते हुए शाम 7 बजे मां मढ़ी माता मंदिर पहुंची। इस मौके पर विधायक जयवर्धन सिंह एवं विधायक ऋषि अग्रवाल शामिल हुए और माता रानी का आशीर्वाद लिया। चुनरी यात्रा को

लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया, वहीं नृत्य कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से भक्तों का मन मोह लिया। मंदिर प्रांगण पहुंचकर मां मढ़ी माता की विधि-विधान से महाआरती उतारी गई तथा क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। श्री जगदंबिका सेवा समिति द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन ने पूरे म्याना नगर को भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर कर दिया।



के लिए प्रभावी प्रयास करें। जनसंवाद के माध्यम से आमजन की आवश्यकताओं को समझकर ऐसे नवीन कार्यों और पहलों को आगे बढ़ाया जाए, जिनसे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न

के साथ ही उनके प्रभावी क्रियान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ। बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने अशोकनगर में जारी विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी साझा की। साथ ही, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत किए जा रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के संबंध में भी चर्चा की गई। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर कार्य करते हुए क्षेत्र के विकास को गति देना, जनसमस्याओं का समाधान करना और शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनसंवाद को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जनकल्याण को केंद्र में रखकर कार्य करने का आह्वान किया।